International Journal of Advanced Educational Research
ISSN: 2455-6157
Impact Factor: RJIF 5.12
www.educationjournal.org
Volume 3; Issue 2; March 2018; Page No. 295-297

माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण के सन्दर्भ में उनके शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन

संतोष कुमार यादव
जे.आर.एफ. (शिक्षाशास्त्र), शोध छात्र, शिक्षक शिक्षा संकाय, नेहरू ग्राम भारती, मानद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश, भारत।

सारांश
माण्टेसरी ने विद्यालय में घर के वातावरण की ही भाँति प्रेमयुक्त वातावरण बनाने का सुझाव दिया और विद्यालयों को बालकों का घर कहा है। अच्छे पारिवारिक वातावरण में माता–पिता अपने बच्चे को पर्याप्त समय देते हैं, इसके साथ–साथ परिवार के अन्य सदस्य भी बच्चों को प्रेम प्रदान करते हैं, जो उनकी शैक्षिक अभिरूचि के साथ–साथ व्यक्तित्व निर्माण में सहायक होता है। प्रस्तुत अध्ययन ''माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण के सन्दर्भ में उनके शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन'' है। इसका उद्देश्य उच्च, मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण के विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि में तुलनात्मक अध्ययन किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन में वर्णनात्मक शोध की सर्वेक्षणात्मक विधि का प्रयोग किया गया है। अध्ययन का प्रतिदर्श इलाहाबाद जनपद में स्थित विभिन्न उच्च माध्यमिक विद्यालयों के उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत 240 विद्यार्थियों से प्राप्त किया गया था। यह प्रतिदर्श स्तरीय यादृच्छिक प्रतिदर्शन विधि का प्रयोग करते हुये चयनित किया गया है। उपकरण के रूप में के0एस0 मिद्ध द्वारा निर्मित 'पारिवारिक वातावरण अनुसूची' का प्रयोग किया गया है। अध्ययन में आँकड़ों के विश्लेषण के लिए टी–अनुपात सांख्यिकी विधि का प्रयोग किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन के निष्कर्ष में पाया गया कि माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् उच्च, मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण के विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर है अर्थात् पारिवारिक वातावरण के सन्दर्भ में शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर पाया।

मूल शब्दः माध्यमिक स्तर, विद्यार्थी, पारिवारिक वातावरण, शैक्षिक उपलब्धि

प्रस्तावना
शिक्षा मानव विकास का मूल आधार है, जिसके द्वारा मनुष्य की जन्मजात शक्तियों का विकास उसके ज्ञान एवं कला कौशल में वृद्धि तथा व्यवहार में परिवर्तन कर उसे सभ्य, सुसंस्कृत एवं योग्य नागरिक बनाया जाता है। पेस्टालाजी ने घर को शिक्षा का सर्वोत्तम स्थान और बालक की प्रथम पाठशाला माना है। इस पाठशाला में बालक की माता उसकी प्रथम शिक्षिका होती है। शिक्षा की दृष्टि से पारिवारिक वातावरण का प्रभाव बालक के लिए अत्यन्त महत्त्वपूर्ण है। घर में मानवीय जीवन का विकास होता है। इसके लिए घर में सुव्यवस्था तथा अनुकूल वातावरण और मनोवैज्ञानिक शैक्षिक वातावरण का होना आवश्यक है। पारिवारिक वातावरण के प्रभाव को स्पष्ट करते हुए माण्टेसरी ने विद्यालय में घर के वातावरण की ही भाँति प्रेमयुक्त वातावरण बनाने का सुझाव दिया और विद्यालयों को बालकों का घर कहा है।

अच्छे पारिवारिक वातावरण में माता–पिता अपने बच्चे को पर्याप्त समय देते हैं, इसके साथ–साथ परिवार के अन्य सदस्य भी बच्चों को प्रेम प्रदान करते हैं, जो उनकी शैक्षिक अभिरूचि के साथ–साथ व्यक्तित्व निर्माण में सहायक होता है। स्नेह, प्रेम, सौहार्द के अलावा बालक की अन्य आवश्यकताओं को भी ध्यान में रखना और उसकी समय–समय पर पूर्ति करना अनिवार्य है क्योंकि उसके समुचित विकास के लिए परिवार में भावनात्मक वातावरण का निर्माण एवं सुरक्षा दोनों आवश्यक है। जिस परिवार के बच्चे को घर में समय–समय पर स्नेह मिलता रहता है, उस घर के बालक का भावनात्मक विकास भी अपेक्षाकृत अधिक अच्छा होता है और ऐसे घर के बालक अधिक भावात्मक सुरक्षा का अनुभव करते हैं। इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए शैक्षिक अनुसंधानों से सिद्ध हुआ है कि परिवार व घर का वातावरण भी बालक की शिक्षा–दीक्षा को प्रभावित करता है। परिवार के सदस्य बालक को शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करते रहते हैं। मध्यम वर्ग के लोग बालक–बालिकाओं की शिक्षा के लिए सबसे अधिक त्याग करते हैं। अनुसंधानों से पता चलता है कि पारिवारिक वातावरण एवं शैक्षिक उपलब्धि में उच्च धनात्मक सहसम्बन्ध है। पारिवारिक वातावरण में अध्ययन सम्बन्धी प्रेरणा से बालक के ज्ञान में वृद्धि होती है। उसका मानसिक विकास होता है।

प्रस्तुत अध्ययन में पारिवारिक वातावरण का विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन किया जा रहा है जहाँ 'परिवार' बच्चे की पहली पाठशाला होती है, वहीं माँ बच्चों की प्रथम शिक्षिका होती है। यदि परिवार के सदस्य शिक्षित, सभ्य एवं सुसंस्कृत होते हैं।, तो बच्चे पर संस्कार भी अच्छे पड़ते हैं, जो बच्चे के पूरे जीवन को प्रभावित करते हैं। अनपढ़ परिवार के बच्चे ऐसे संस्कारों से वंचित रहे जाते है क्योंकि ऐसे परिवार के सदस्य निरक्षर, गवार एवं स्वास्थ्य के नियमों से अनभिज्ञ होते हैं। परिणामस्वरूप बच्चे सामाजिक तौर तरीकों से वंचित रह जाते हैं। (मजूमदार 1958) उच्च सामाजिक–आर्थिक पारिवारिक वातावरण के बालकों को विकास के लिए अच्छी सुविधाएँ एवं पर्याप्त अवसर उपलब्ध होते हैं। वे अच्छे वातावरण में रहते है, अच्छे व्यक्तियों के सम्पर्क में आते हैं। जिससे उनका अच्छा विकास होता है तथा उनकी शैक्षिक उपलब्धि उच्च रहती है। महाराष्ट्र के अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के महाविद्यालयों के छात्रों की शैक्षिक समस्याओं के अध्ययन में निष्कर्षतः पाया गया कि अधिकतर विद्यार्थी सुविधारहित घरों के थे और उनके माता–पिता अशिक्षित थे (शुभा चिटनिस 1974) परिवार के वातावरण के अनुसार ही बालक के व्यक्तित्व का निर्माण होता है। परिवार का वातावरण, सदस्यों का आचरण, शिक्षा स्तर, पारिवारिक संरक्षण, सहयोग एवं तौर–तरीकों से बालक का शैक्षिक विकास प्रभावित होता है। (राधाकृष्णन् और राहगीर 1992) बालक की शैक्षिक उपलब्धि पर

पारिवारिक वातावरण का महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। प्रायः कम शैक्षिक उपलब्धि वाले बालक परिवार द्वारा उपेक्षित रहते हैं।। जिसके कारण उनका मानसिक एवं संवेगात्मक विकास प्रभावित होता है। छात्रों के स्कूल से घर आने पर माता–पिता द्वारा उनके शैक्षिक कार्यों की देख–रेख न करने पर उनकी शैक्षिक उपलब्धि प्रभावित होती है[1] (ओवेता, एंथोनी ओ0 2014)। छात्रों के अकादमिक प्रदर्शन पर परिवार के आकार और प्रकार का महत्वपूर्ण प्रभाव पाया गया[2] (इला आर0ई0, ओडोक, ए0ओ0 एवं इला जी0ई0 2015)। चयनित माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों के वातावरण और शैक्षिक प्रदर्शन में बड़ा सहसम्बन्ध पाया गया[3] (ओनेस्टो लौमो एण्ड कैशलीमा जे0पी0 छावगां 2015)। कुछ शोधों द्वारा इंगित होता है कि, ''पारिवारिक वातावरण में माता–पिता की शैक्षिक योग्यता, आर्थिक स्थिति, व्यवसाय, घर की अवस्थिति का सीधा प्रभाव भी पाया गया।''

समस्या कथन– ''माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण के सन्दर्भ में उनके शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन।''

अध्ययन का उद्देश्य

प्रस्तुत अध्ययन में निम्नलिखित उद्देश्यों है–

1. माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों के उच्च एवं मध्यम पारिवारिक वातावरण का उनके शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन।
2. माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक वातावरण का उनके शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन।
3. माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों के मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण का उनके शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन।

परिकल्पनाएँ

प्रस्तुत अध्ययन में निम्नलिखित परिकल्पनाएँ हैं–

1. माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों के उच्च एवं मध्यम पारिवारिक वातावरण का उनके शैक्षिक उपलब्धि में कोई अन्तर नहीं है।
2. माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक वातावरण का उनके शैक्षिक उपलब्धि में कोई अन्तर नहीं है।
3. माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों के मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण का उनके शैक्षिक उपलब्धि में कोई अन्तर नहीं है।

शोध प्रविधि

प्रस्तुत अध्ययन में वर्णनात्मक शोध की सर्वेक्षणात्मक विधि का प्रयोग किया गया है। अध्ययन का प्रतिदर्श इलाहाबाद जनपद में स्थित विभिन्न उच्च माध्यमिक विद्यालयों के उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत 240 विद्यार्थियों से प्राप्त किया गया था। यह प्रतिदर्श स्तरीय यादृच्छिक प्रतिदर्शन विधि का प्रयोग करते हुये चयनित किया गया है। उपकरण के रूप में के0एस0 मिद्ध द्वारा निर्मित 'पारिवारिक वातावरण अनुसूची' का प्रयोग किया गया है। अध्ययन में आँकड़ों के विश्लेषण के लिए टी–अनुपात सांख्यिकी विधि का प्रयोग किया गया है।

आँकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या

H_{01} उच्च और मध्यम पारिवारिक वातावरण के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका 1: उच्च और मध्यम पारिवारिक वातावरण के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का मध्यमान, मानक विचलन एवं टी–मान एवं सार्थकता स्तर

समूह	संख्या (N)	मध्यमान (M)	मानक विचलन (SD)	मुक्तांश (df)	टी–मान (t-value)	सार्थकता स्तर
उच्च पारिवारिक वातावरण के विद्यार्थी	59	433.56	29.44	176	9.80*	0.01
मध्यम पारिवारिक वातावरण के विद्यार्थी	119	387.10	30.43			

*.01 स्तर पर सार्थक

सारणी 1 के अवलोकन से ज्ञात होता है कि उच्च पारिवारिक वातावरण एवं मध्यम पारिवारिक वातावरण के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के मध्यमानों के अन्तर का परिगणित टी–अनुपात का मान 9.80 है, जो .01 स्तर पर सार्थक है। अतः शून्य उपपरिकल्पना ''उच्च और मध्यम पारिवारिक वातावरण के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है'' निरस्त की जाती है। अतः प्राप्त परिणाम से स्पष्ट है, कि उच्च पारिवारिक वातावरण के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि मध्यम पारिवारिक वातावरण के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि की तुलना में उच्च पायी गयी।

H_{02} उच्च और निम्न पारिवारिक वातावरण के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका 2: उच्च और निम्न पारिवारिक वातावरण के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का मध्यमान, मानक विचलन एवं टी–मान एवं सार्थकता स्तर

समूह	संख्या (N)	मध्यमान (M)	मानक विचलन (SD)	मुक्तांश (df)	टी–मान (t-value)	सार्थकता स्तर
उच्च पारिवारिक, वातावरण के विद्यार्थी	59	433.56	29.44	119	17.03*	0.01
निम्न पारिवारिक वातावरण के विद्यार्थी	62	341.97	29.72			

*.01 स्तर पर सार्थक

सारणी 2 के अवलोकन से ज्ञात होता है कि उच्च पारिवारिक वातावरण एवं निम्न पारिवारिक वातावरण के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के मध्यमानों के अन्तर का परिगणित टी–अनुपात का मान 17.03 है, जो .01 स्तर पर सार्थक है। अतः शून्य उपपरिकल्पना ''उच्च और निम्न पारिवारिक वातावरण के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है'' निरस्त की जाती है। अतः प्राप्त परिणाम से स्पष्ट है, कि उच्च पारिवारिक वातावरण के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि निम्न पारिवारिक वातावरण के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि की तुलना में उच्च पायी गयी।

H_{03} मध्यम और निम्न पारिवारिक वातावरण के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका 3: मध्यम और निम्न पारिवारिक वातावरण के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का मध्यमान, मानक विचलन एवं टी–मान एवं सार्थकता स्तर

समूह	संख्या (N)	मध्यमान(M)	मानक विचलन (SD)	मुक्तांश (df)	टी–मान (t-value)	सार्थकता स्तर
मध्यम पारिवारिक वातावरण के विद्यार्थी	119	387.10	30.43	179	9.62*	0.01
निम्न पारिवारिक वातावरण के विद्यार्थी	62	341.97	29.72			

*.01 स्तर पर सार्थक

सारणी 3 के अवलोकन से ज्ञात होता है कि मध्यम पारिवारिक वातावरण एवं निम्न पारिवारिक वातावरण के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के मध्यमानों के अन्तर का परिगणित टी–अनुपात का मान 9.62 है, जो .01 स्तर पर सार्थक है। अतः शून्य उपपरिकल्पना ''मध्यम और निम्न पारिवारिक वातावरण के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है'' निरस्त की जाती है। अतः प्राप्त परिणाम से स्पष्ट है, कि मध्यम पारिवारिक वातावरण के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि निम्न पारिवारिक वातावरण के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि की तुलना में उच्च पायी गयी।

निष्कर्ष

प्रस्तुत अध्ययन के निष्कर्ष में पाया गया कि माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् उच्च, मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण के विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर है अर्थात् पारिवारिक वातावरण के सन्दर्भ में शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर पाया।

कुछ शोध अध्ययनों द्वारा भी यह शोध सिद्ध होता है जिसमें शैक्षिक उपलब्धि परिवार के वातावरण की स्वतंत्रता और संघर्ष के पक्ष से काफी महत्वपूर्ण थी[4] (मोहनराज और लता 2005)। किशोरों की अकादमिक उपलब्धि पर पारिवारिक वातावरण का सकारात्मक और महत्वपूर्ण प्रभाव पाया गया[5] (रईस 2011)। घर के वातावरण की गुणवत्ता का उपलब्धि प्रेरणा पर सकारात्मक प्रभाव पाया गया[5] (बसंल, शैली 2006)।

सुझाव

जब हम बालक का शारीरिक विकास, सामाजिक व्यवहारिक मूल्य, शैक्षिक उपलब्धि, बौद्धिक विकास, आर्थिक स्तर समायोजन क्षमता को ज्ञात करते हैं, तो पाते है, कि बालक सबसे ज्यादा अपने माता–पिता से प्रभावित होता है। बालक के विकास में माता–पिता की भूमिका सबसे अहम होती है क्योंकि घर ही उसकी प्रथम पाठशाला है। अभिभावकों के संवेगों का बच्चों पर प्रभाव पड़ता है यह प्रभाव उसकी बुद्धि तथा सीखने की क्षमता पर भी पड़ता है। अतः माता–पिता को अपने बच्चों के गतिविधियों एवं शिक्षा–दीक्षा पर विशेष ध्यान की आवश्यकता।

सन्दर्भ

1. एंथोनी, ओ0 ओवेटा (2014). होम इनवायरमेण्टल फैक्टर्स इफेक्टिंग स्टूडेन्ट्स, एकेडेमिक परफार्मेन्स इन एबिया स्टेट, नाइजीरिया, रूरल इनवायरमेण्ट, एजूकेशन पर्सनाल्टी–जेलगावा, 7–8–02–2014, पृ0 141–179
2. इला, आर0ई0; ओडोक, ए0ओ0 एवं इला, जी0ई0 (2015), इनफ्लुएन्स ऑफ फैमिली साइड एण्ड फैमिली टाइप ऑन एकेडेमिक परफार्मेन्स ऑफ स्टूडेन्ट्स इन गवर्नमेन्ट इन कैलावर म्यूनिस्पिलटी, क्रास रीवर स्टेट, नाइजीरिया, इण्टरनेशनल जर्नल ऑफ ह्यूमनटीज, सोशल साइंस एण्ड एजूकेशन, 2(4), पृ0 108–114
3. ओनेस्टो, लौमो एण्ड कैशलीमा, जे0पी0 (2015). इन्फ्लुएन्स ऑफ होम इनवायरमेण्ट ऑन स्टूडेन्ट्स एकेडेमिक परफार्मेन्स इन सेलेक्टेड सेकेण्डरी स्कूल्स इन अएसा म्यूनिस्पिलटी, जर्नल ऑफ नोबेल एप्लाइड साइंसेंस, 15, पृ0 1049–1054
4. मोहनरराज, रानी और लता (2005). परसीब्ड फैमिली इनवायरमेण्ट इन रिलेशन ऑफ एडजेस्टमेण्ट एण्ड एकेडेमिक एचीवमेण्ट, जर्नल ऑफ द इण्डियन एकेडेमिक ऑफ साइकोलॉजी, 31(1–2), पृ0 18–23
5. रईस, सुभाना (2011). इम्पैक्ट ऑफ फैमिली क्लाइमेट एण्ड पैरेन्टल इनकरेजमेण्ट ऑफ एकेडेमिक एचीवमेण्ट एमंग एडोल्वसेन्ट्स (14–19) ईयर्स, अनपब्लिशड् पी–एच0डी0 थीसिस।
6. बसंल, एस0; थंड, एस0के0 एवं जसवाल, एस0 (2006). रिलेशनशिप बिटविन क्वालिटी ऑफ होम एनवायरमेण्ट, लोकस ऑफ कण्ट्रोल एण्ड एचीवमेण्ट मोटिवेशन एमंग हाई एचीवर अर्बन फीमेल एडोलसेन्ट्स, J. Hum. Ecal. 19(4), पृ0 253–257